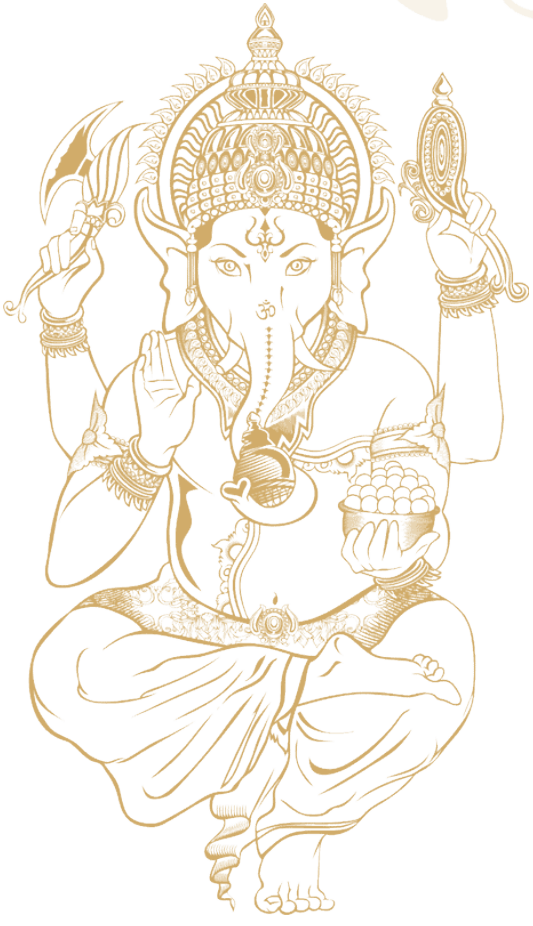

Nimit Jitendra/ Aarti Jain

11 Jul 2022

03:19 AM

Nagercoil

Model: web-freekundliweb

Order No: 121467304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10-11/07/2022**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**03:19:35 घंटे**
इष्ट	52:57:20 घटी
स्थान	**Nagercoil**
राज्य	Tamil Nadu
देश	India

अक्षांश	08:10:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:59:19 घंटे
वेलान्तर	-00:05:22 घंटे
साम्पातिक काल	22:14:31 घंटे
सूर्योदय	06:08:38 घंटे
सूर्यास्त	18:42:23 घंटे
दिनमान	12:33:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	24:27:15 मिथुन
लग्न के अंश	14:27:54 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ने-नैनसुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

+91 9351141151
pt.jmjoshi@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	14:27:54	347:46:22	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	---
सूर्य			मिथु	24:27:15	00:57:12	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	13:54:01	14:42:49	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	नीच राशि
मंगल			मेष	09:46:08	00:41:28	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध		अ	मिथु	17:24:22	02:07:29	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मीन	14:01:35	00:03:27	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	स्वराशि
शुक्र			वृष	27:13:12	01:12:05	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	00:04:47	00:03:11	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	26:46:44	00:02:11	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	26:46:44	00:02:11	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			मेष	23:56:59	00:02:04	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
नेप	व		मीन	01:13:53	00:00:24	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो	व		मक	03:24:19	00:01:25	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	07:26:33	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:06

लग्न-चलित

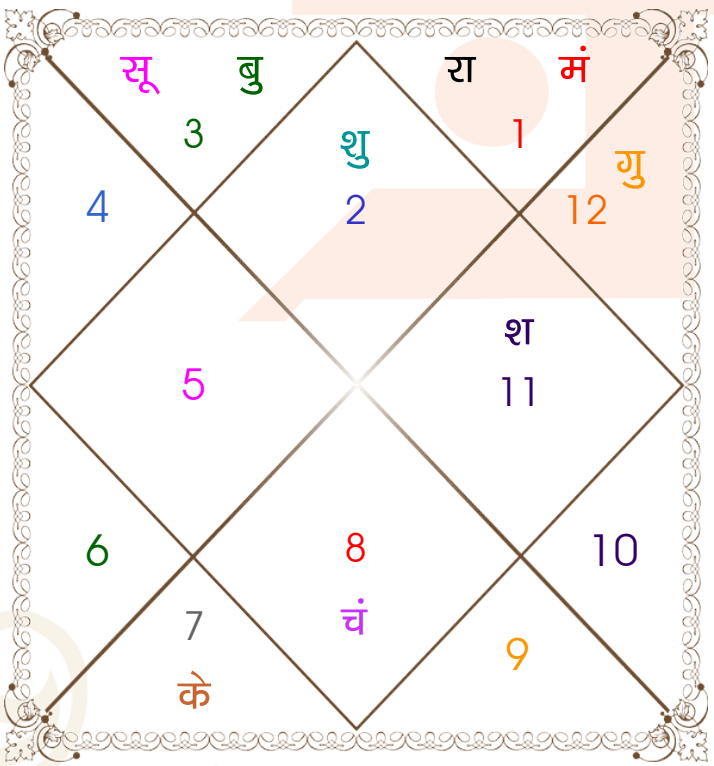

चन्द्र कुंडली

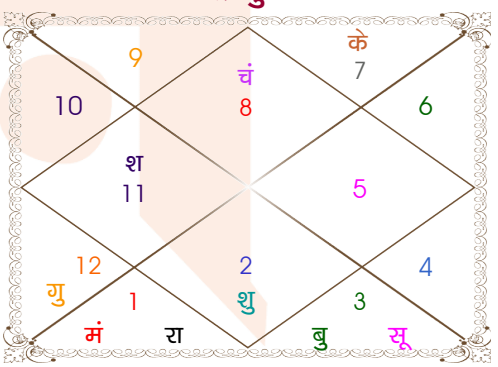

नवमांश कुंडली

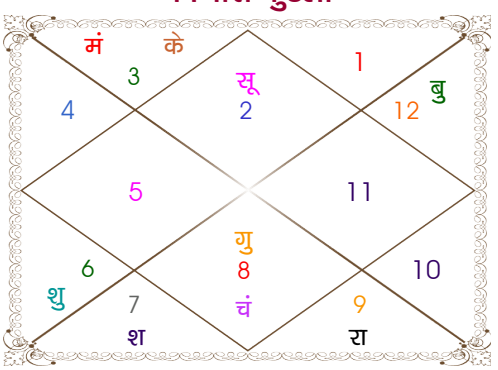

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 3 वर्ष 11 मास 9 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/07/2022		19/06/2026		20/06/2043		19/06/2050		19/06/2070	
19/06/2026		20/06/2043		19/06/2050		19/06/2070		19/06/2076	
	00/00/0000	बुध	15/11/2028	केतु	16/11/2043	शुक्र	19/10/2053	सूर्य	07/10/2070
	00/00/0000	केतु	12/11/2029	शुक्र	15/01/2045	सूर्य	19/10/2054	चंद्र	08/04/2071
	00/00/0000	शुक्र	12/09/2032	सूर्य	23/05/2045	चंद्र	19/06/2056	मंगल	14/08/2071
	00/00/0000	सूर्य	20/07/2033	चंद्र	22/12/2045	मंगल	19/08/2057	राहु	07/07/2072
	00/00/0000	चंद्र	19/12/2034	मंगल	20/05/2046	राहु	19/08/2060	गुरु	25/04/2073
	00/00/0000	मंगल	16/12/2035	राहु	08/06/2047	गुरु	20/04/2063	शनि	07/04/2074
	11/07/2022	राहु	05/07/2038	गुरु	13/05/2048	शनि	19/06/2066	बुध	12/02/2075
राहु	07/12/2023	गुरु	10/10/2040	शनि	22/06/2049	बुध	19/04/2069	केतु	20/06/2075
गुरु	19/06/2026	शनि	20/06/2043	बुध	19/06/2050	केतु	19/06/2070	शुक्र	19/06/2076

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/06/2076		19/06/2086		19/06/2093		21/06/2111		21/06/2127	
19/06/2086		19/06/2093		21/06/2111		21/06/2127		00/00/0000	
चंद्र	19/04/2077	मंगल	16/11/2086	राहु	01/03/2096	गुरु	08/08/2113	शनि	24/06/2130
मंगल	18/11/2077	राहु	04/12/2087	गुरु	26/07/2098	शनि	19/02/2116	बुध	03/03/2133
राहु	20/05/2079	गुरु	09/11/2088	शनि	02/06/2101	बुध	27/05/2118	केतु	11/04/2134
गुरु	18/09/2080	शनि	19/12/2089	बुध	20/12/2103	केतु	03/05/2119	शुक्र	11/06/2137
शनि	20/04/2082	बुध	16/12/2090	केतु	07/01/2105	शुक्र	01/01/2122	सूर्य	24/05/2138
बुध	19/09/2083	केतु	14/05/2091	शुक्र	08/01/2108	सूर्य	20/10/2122	चंद्र	23/12/2139
केतु	19/04/2084	शुक्र	13/07/2092	सूर्य	01/12/2108	चंद्र	19/02/2124	मंगल	31/01/2141
शुक्र	19/12/2085	सूर्य	18/11/2092	चंद्र	02/06/2110	मंगल	25/01/2125	राहु	12/07/2142
सूर्य	19/06/2086	चंद्र	19/06/2093	मंगल	21/06/2111	राहु	21/06/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 3 वर्ष 10 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

+91 9351141151
pt.jmjoshi@gmail.com

लग्न फल

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ठ धघ्नादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगे या जी चुरायेंगे तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ठ धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहते हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नही लेते हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करते हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेते उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखते हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाते हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त लेते हैं।

क्योंकि आप यह जानते हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम करना पड़ता हैं तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाते हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना के व्यक्ति नही हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहते हैं।

स्वभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाले प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाले तथा पीछे मुडकर नहीं देखते हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नही चाहते यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरूचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझते हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय के प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्त्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नही लगती है। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों के सहायक होंगे।

+91 9351141151
pt.jmjoshi@gmail.com

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकते हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगे। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगे। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहते हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं। अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

+91 9351141151
pt.jmjoshi@gmail.com